पर्यटन संग इतिहास संजोएगा ब्रह्मावर्त कारिडोर

अयोध्या, काशी, मथुरा और चित्रकूट धाम की तर्ज पर विकास कार्यों से बदलेगी सूरत

शिवा अवस्थी ● जागरण

कानपुर : ब्रह्मावर्त कारिडोर पर्यटन, स्वाधीनता के इतिहास संग बिठूर की पौराणिकता को संजोएगा। अयोध्या, काशी, मथुरा व चित्रकूटधाम की तर्ज पर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गवाह धरा बिठूर के विकास से बदलाव आएगा, जबकि विश्व पटल पर इसकी पहचान और बढ़ेगी। कारिडोर से गंगा तट तक सीधी पहुंच व पौराणिक, ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर नई कहानी लिखने से विदेशी सैलानियों को भी ये लुभाएगा। विधानसभा में बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा के मुद्दा उठाने के बाद बात फिर आगे बढ़नी तय है। पर्यटन विभाग की सहमति से 70 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कराया था, जिसे अब अमलीजामा पहनाया जा सकेगा।

ब्रह्मावर्त कारिडोर बिठूर के पौराणिक स्थलों को एक-दूसरे से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम होगा। महर्षि वाल्मीकि आश्रम, नानाराव पेशवा महल, माता सीता व लव-कुश से जुड़े स्थलों, गंगा के प्राचीन घाटों को जोड़कर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। 21 से 23 मार्च तक बिठूर महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने की संभावना है। मुख्यमंत्री इस बार कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं।

70 करोड़ रुपये से काम का जिला प्रशासन ने बनाया प्रस्ताव, जुड़ेगा हर स्थल

21 से 23 मार्च तक बिठूर महोत्सव में मुख्यमंत्री के आने की संभावना

नानाराव पेशवा स्मारक पार्क ● जागरण आर्काइव

ब्रह्मावर्त कारिडोर से इन स्थलों को जोड़ा जाएगा

● **वाल्मीकि आश्रम :** महर्षि वाल्मीकि के आश्रम से जुड़े चिह्न अभी तक यहां पर हैं। इसे देखने दूर-दराज से लोग आते हैं।

● **सीता रसोई :** वाल्मीकि आश्रम से नीचे सीता रसोई है। यहां पर चूल्हा समेत दूसरी सामग्री रखी हुई है।

● **स्वर्ग नसेनी :** स्वर्ग नसेनी में 49 सीढ़िया है। 365 छिद्र है। इनमें दीये जलाए जाते हैं। पेशवाकाल में यहां लगा बड़ा घंटा दुश्मन आने पर बजाकर होशियार किया जाता था।

● **लव-कुश जन्मस्थली :** यहीं पर प्रभु श्रीराम व माता सीता के दोनों पुत्रों लव-कुश की जन्मस्थली के निशान है।

● **लव-कुश के बाण :** लव-कुश के बाण अभी तक रामजानकी मंदिर में रखे हुए है। ये मंदिर दर्शनीय है।

● **ब्रह्मा खूंटी :** गंगा के ब्रह्मावर्त घाट पर ये खूंटी है। इसे दुनिया का केंद्र बिंदु माना जाता है।

● **पेशवा महल :** नाना साहब पेशवा के महल व स्मारक को देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते है। यहां उनके समय के शस्त्र भी रखे हैं।

● **रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े स्थल :** बिठूर में रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े स्थलों का आकर्षण है। इन्हें संवारने से पर्यटन को नई दिशा मिलेगी।

बिठूर की ऐतिहासिकता, पौराणिकता वाराणसी, चित्रकूट व अयोध्या से कम नहीं है। ये धरती सनातन व देश के लिए बलिदान होने वालों की गवाह है। इसलिए ब्रह्मावर्त कारिडोर नया कलेवर देगा।

-अभिजीत सिंह सांगा, विधायक बिठूर।

गंगा तट पर स्थित बिठूर में इतिहास, प्राचीन धरोहरों व आकर्षक वास्तुकला वाले मंदिरों का आकर्षण है। यहां के सर्वांगीण विकास से भावी पीढ़ी प्राचीनता से रूबरू हो सकेगी। कारिडोर विकास की दिशा में बड़ा कदम होगा।

-के. विजयेन्द्र पांडियन, मंडलायुक्त।

ये होंगे फायदे

- नानाराव पार्क के पास से ब्रह्मावर्त खूंटी जाने तक का रास्ता चौड़ा होगा।
- दुनिया का केंद्र बिंदु मानी जाने वाली खूंटी को देखना हो जाएगा आसान।
- नगर पंचायत बिठूर के लोगों को भी आवाजाही के लिए सुगम राह मिलेगी।
- गंगा तट तक पहुंचने के लिए ये कारिडोर सबसे अच्छा माध्यम होगा।